ऊर्जा

- **ऊर्जा**= ऊर्जा संविधान कि समवर्ती सूची का विषय है।
- **ऊर्जा संरक्षण दिवस**= 14 दिसम्बर
- स्वंतत्तता प्राप्ति के समय राज्य में विद्युत उत्पादन क्षमता = 13.27 mw
- स्वंतता प्राप्ति के समय राज्य में विद्युत गृह = 15
- 12वी पंचवर्षीय योजना में सर्वाधिक व्यय ऊर्जा पर किया-गया 36.96 (37%)

वर्तमान में राजस्थान की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता

→ 24783.64 MW

- राज्य स्वंय कि वि॰ उत्पादन क्षमता = 9447.79 MW
- केन्द्रीय परियोजनाओ से = 3113.77 MW
- अन्य = 12222.08 MW

➡ राजस्थान विद्युत मण्डल = जुलाई-1957 - मुख्यालय - जयपुर

➡ राजस्थान राज्य विद्युत नियामक आयोग, = 2-जनवरी-2000

- प्रथम अध्यक्ष = अरुण कुमार

➡ राजस्थान में विद्युत सुधार अधिनियम पारित = 1999

- लागु – 2000 27/2000

राज० राज्य में विद्युत सुधार हेतु 5 कम्पनी गठित कि गई → जून/2000

1. राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम
2. राज. राज्य विद्युत प्रसारण निगम
3. जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड:- (पुर्वी राजस्थान में वि. आंवटित)
   ↳ उपभोक्ताओं कि दृष्टि से सबसे बड़ा मण्डल
4. अजमेर विद्युत वितरण निगम लि. = (मध्य वर्ती मण्डल)
5. जोधपुर विद्युत वितरण निगम लि. = पश्चिम राज: मे विद्युत आंवटित
   ↳ क्षेत्रफल कि दृष्टि से सबसे बड़ा मण्डल

ऊर्जा के स्त्रोत

(1) परम्परागत / अवनीकरण ऊर्जा स्त्रोत:- पुन: उत्सर्जित नहीं कर सकते!

एक बार ही उपयोग होता है।

Ex= कोयला, खनिज तेल, आणविक खनिज, जल, गोबर

युरेनियम, थोरियम

(ii) गैर परम्परागत नवीयकरणीय ऊर्जा स्त्रोत

पुन: उत्सर्जित कर सकते हैं बार बार उपयोग (कभी नष्ट नहीं)

Ex:- सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ज्वारीय, बायोगैस, बायोमास भूतापीय उर्जा!

राज.का ऊर्जा में स्थान

नाम	Ist	राज० का स्थान
1. कोयला	महाराष्ट्र	7 वां
2. गैस	गुजरात	7th
3. परमाणु	तमिलनाडु	5th
4. जल	पंजाब	13th
5. सौर	राजस्थान	1st
6. पवन	तमिलनाडु	5th
7. कुल ऊर्जा उत्पादन	महाराष्ट्र	4th

- राजस्थान में विद्युत बनाने वाली निजी क्षेत्र की कम्पनी -

  राजवेस्ट

➲ <u>NOTE</u> देश का पहला जल विद्युत ग्रह = सिंद्रापोग (दार्जिलिग)

1897 प० बगाल

ताप विद्युत

1. सुरतगढ़ सुपर थर्मल पौवर स्टेशन = 1998

- प्रभात नगर - ठुकराना गांव - सुरतगढ़ (श्री गंगानगर)
- यह राज्य का दुसरा थर्मल पावर व पहला क्रिटिकल पावर स्टेशन
- 250× 250 MW की 6 इकाईया -1500 MW
- 660×660 MW की 2 इकाईया -1320 MW

} कुल विद्युत - २८२०

Note:- यहां पर 660 MW की 7वी व 8वीं इकाई का शिलान्यास 2013 में सोनिया गांधी ने किया।

- 660 MW की 9वी और 10 वी इकाई प्रस्तावित है।

2. कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन = 1978 (KOTA)

→ उत्पादन क्ष० = 1240 MW

→ यह राज्य का पहला थर्मल पावर स्टेशन व दुसरा क्रिटिकल पॉवर स्टेशन है।

3. छाबडा पॉवर स्टेशन = छाबड़ा मोतीपुरा (बारां) - 2005

→ छबडा राज्य का पहला अल्ट्रा क्रिटिकल पांवर स्टेशन

→ उत्पादन क्षमता = 2320 MW (सर्वाधिक)

4. काली सिन्ध ताप विद्युत = उण्डेल (झालावाड़)

→ उत्पादन क्ष० ⇒ 1200 MW

5. कवई क्रिटिकल पावर स्टे. = बाराँ

- निजी क्षेत्र की प्रथम विद्युत परियोजना
- उत्पादन क्षमता - 1320-MW

6. बांसवाड़ा क्रिटिकल Powar स्टे. = दानपुर (बांसवाडा) प्रस्तावित है।

लिग्नाइट आधारित विद्युत् परियोजना

1. गिरल ताप वि० प०- थुम्बली गांव शिव- तहसील - बाडमेर (2008)

- उत्पादन क्षम० 250 MW
- राज, का पहला लिग्नाइट आधारित विद्युत गृह - जो जर्मनी ने सहयोग से स्थापतित किया गया।

5. गुढा. लिग्नाइट आधारित. वि. प० = बीकानेर निजी क्षेत्र की प्रथम लि. वि. प०

3. वरसिंह सर लिग्नाइट आधारित पं- बीकानेर – 2010

250 Mw

→ नेवली लिग्नाइट (तमिलनाडु) के सहयोग से स्थापित

4. कपुरड़ी जालिया लि० वि०प० = बाड़मेर

→ उत्पादन क्षमता- 1080 MW

→ मैमर्स बेस्ट पॉवर (जयपुर) के सहयोग

5. भादेसर लि० वि० परियोजना:- बाड़मेर

उत्पादन क्ष० 1080MW

बाडमेर लिग्नाइट व राजवेस्ट के सहयोग से स्थापित।

गैस आधारित विद्युत परि०

1. रामगढ़ गैसीय वि० परियोजना:- रामगढ़ (जैसलमेर)-1996

- राजस्थान स्वय कि प्रथम गैस परि०
- उत्पादन क्षमता 273.5 MW
- गैस आपुर्ति ONGC व GAIL

ऑयल एण्ड नेचुरल गैस

गैस अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लि.

नोट: ONGC - औयल एण्ड नेचुरल गैस

GAIL - गैस अर्थोटी ऑफ इण्डिया लि.

HBJ - हजीरा विजापुर जगदीश पर पाइप लाईन)

2. अन्ता गैस परि॰ बांरा - 1988-89

- उत्पादन क्ष॰ 413 MW (राज मे आवटित 19.80%)
- गैस आपूर्ति = HBJ पाइप लाईन
- राज॰ की प्रथम गैस विद्‌युत परियोजना NTPC के सहयोग से

NOTE ⇒ NTPC ⇒ नेशनल थर्मल पावर लिमिटेड - 1975 - New दिल्ली

3. धौलपुर गैस वि० परि० = धौलपुर = उत्पादन क्ष० - 330 MW

↳ गैस आपूर्ति = GAIL

➲ इसका प्रथम चरण नेफ्ता ईधन व द्वितिय = तरल ईधन पर आधारित

4. झाबर कोटड़ा गैस वि०प० = उदयपुर

↳ उत्पादन = 4.MW

→ राज० राज्य खान एंव खनिज निगम के सहयोग से स्था०

5. केशवराय पाटन गैस वि०प० = बुन्दी

↳ उत्पादन क्षमता - 166 MW

⇒ नेफ्ता (NEFTA) ईंधन पर आधारित

राजस्थान परमाणु शक्ति गृह

आणविक विद्युत

1. रावतभाटा परमाणु शक्ति ग्रह:- रावताभाटा (चित्तौगढ़)

→ स्थापना 1965

→ उत्पादन शुरू 1972

→ विद्युत उत्पादन क्ष० = 1520 MW (राज्य को आंवटित- 456.74 MW)

→ कनाडा के सहयोग से स्थापित यहां युरेनियम आपूर्ति कनाड़ा देश करता है।

→ यहां पर D_2o/डुटेरियम/भारीजल/दावित जल का निर्माण है जो राजस्थान अमेरिका को निर्यात करता है।

→ यह राजस्थान का पहला व भारत का दुसरा परमाणु शक्ति ग्रह है-

NOTE-1 → भारत का पहला परमाणु शक्ति ग्रह = तारापुर (MH)

NOTE-2 → राज० का दुसरा परमाणु शक्ति ग्रह प्रस्तावित नापला गांव (बांसवाडा)

पवन ऊर्जा:- राज० का स्थान = 5th

पवन ऊर्जा चक्की कि गति - 14-15 km/h

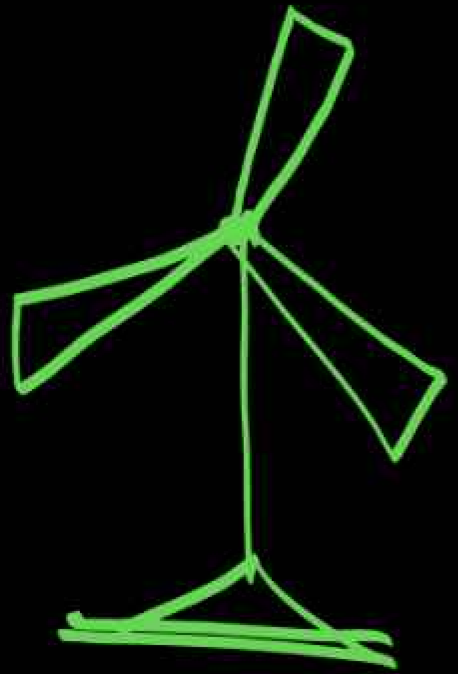

→ राज० कि प्रथम पवन ऊर्जा नीति →18-July-2012

→ राज० कि नवीन पवन " " → 18-Dec-2019

→ राज० का प्रथम पवन संयंत्र → 20-Oct-1999

अमर सागर (जैसलमेर) RSPCL के सहयोग से स्थापित

→ राज० मे नीजि क्षेत्र मे प्रथम पवन ऊर्जा परि० = बड़ा बाग-जैसलमेर (2001)

→ कुल राज्य कि उत्पादन क्ष० ⇒ 4359.63 MW

→ राज० का सबसे बड़ा पवन ऊर्जा संयत्र = सोढ़ा बांधन (जैसलमेर)

➲ अन्य संयत्र पवन ऊर्जा

(i) मोहनगढ़, अमर सागर, सोढा बांधन - जैसलमेर

(ii) देवगढ = प्रतापगढ़

(iii) धर्मोत्तर = चित्तौडगढ़

(iv) हर्ष पर्वत = सीकर

(v) बिठडी = फलौदी

(vi) खाडौल = बाड़मेर

(vii) जसवन्तगढ़ = उदयपुर

बायोमास विद्‌युत= वह विद्‌युत जो कृषि अपशिष्ट पदार्थों से बनती है

⇒ नीति = 26-Feb-2010

⇒ उत्पादन क्ष० = 109.95 MW

⇒ राज्य का पहला बायोमास संयत्र = पदमपुर (श्रीगंगानगर)

मैमर्स एजे. द्वारा स्थापित

⇒ राज० का बायोमास गांव = नानी गांव (सीकर)

⇒ राजस्थाना में विलायती बबूल से विद्‌युत = अजमेर

⇒ कचरे से विद्‌युत बलाने वाला पहला संयत्र = जयपुर

⇒ हाडौती क्षेत्र का पहला बायोमास संयत्र = कोटा

बायोगैस: वह विद्‌युत जो पशुओं के मल-मूत्र से बनती है।

- नीति 2010
- इसमे 60% अनुदान राज्य सरकार देती है।
- मॉडल = प० दीनबन्धु व खादी ग्रामोद्योग द्वारा

सौर ऊर्जा = स्थान राजस्थान का = 1st

- प्रथम नीति = 2011
- उत्पादन क्ष०= 4010.50 MW
- नवीन सौर ऊर्जा =नीति =18-दिसम्बर-2019

सौलर सिटी कार्यक्रम = 2008

→ राज्य में सौलरसिटी = जोधपुर-जयपुर-अनमेर

= **SEEZ** = सोलर एनर्जी इन्टरप्राइजेज जौन

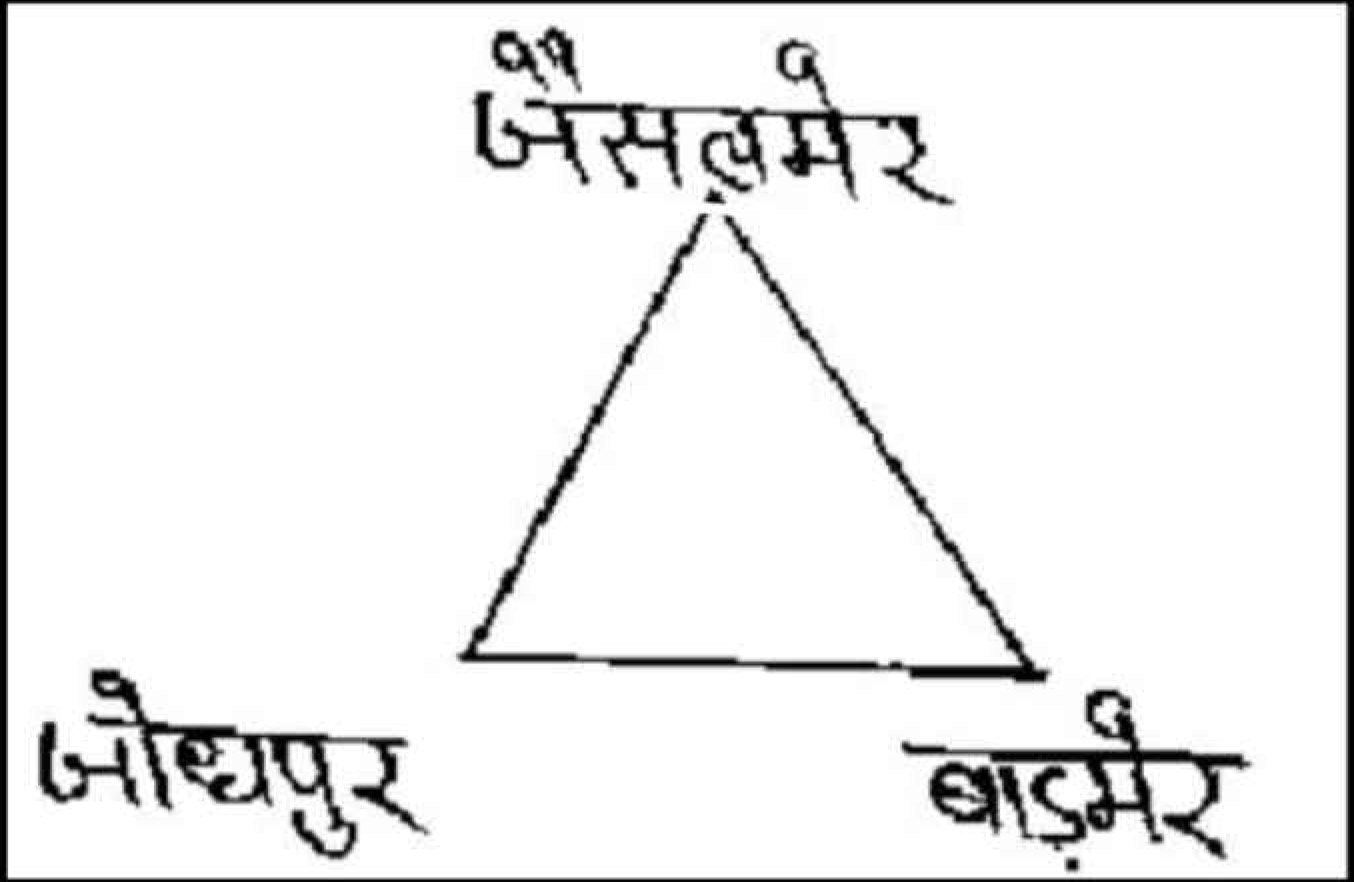

➲ 1992 सौर ताप यंत्ती को बाजार में उपल्बध करवाने हेतु प्रत्येक जिला मुख्यालय पर आदित्य सौलर शॉप, के नाम से दुकाने स्थापित कि गई!

पावर बैंक योजना:- सौर ऊर्जा से सम्बंधित

धीरूभाई अम्बानी सौलर पार्क:- घुडसर (जैसलमेर)

राज० में सौलर संयंत्र स्थापित करने वाली कम्पनीय!

(i) गौरीयार सौलर सयंत्र= झुंझुनू = अक्षय ऊर्जा निगम द्वारा स्था०

(ii) धुणीया सौलर सयंत्र = जोधपुर = सौलर पावर मुम्वई द्वारा स्थापित

(iii) अगोरिया सोलर सयंत्र = बाडमेर = सन् सोर्स अहमदाबाद " "

(iv) मोकला सौं० स० = जैसलमेर = एम.को. कम्पनी-अमेरिका

⇒ **भाडला सौलर पार्क** ⇒ जोधपुर

:- राज्य का सबसे बड़ा सोलर पार्क

:- इसका निर्माण चार चरणों में किया गया।

⇒ **मथानिया सौलर पार्क** = जोधपुर

:- राज्य की प्रथम सौर ऊर्जा परियोजना जो जर्मनी व विश्व बैंक के सहयोग से स्थापित !

⇒ **खीवंसर सौलर पार्क** ⇒ नागौर

:- रिलायन्स कम्पनी द्वारा स्था०

राजस्थान में प्रथम सौर ऊर्जा चालित

(i) बाटर हिटर - झुंझुनू

(ii) रेफ्रीजरेटर - जैसलमेर

(iii) फ्रिज - जोधपुर

(iv) ATM - मनोहरपुरा-जयपुर

(v) गाँव भागाँव - जयपुर

(vi) खारे पानी को मीठा करने वाला संयत्र = भालेरी चुरु

(vii) मिल्क चिलिंग-भरतपुर

(viii) दुर दर्शन प्रसारण - चित्तौडगढ़

(viii) चरखा - दौसा

(vii) ट्रेन का ट्रायल - जोधपुर से हिसार

⇒ देश कि प्रथम सौर ऊर्जा चालित नाव ⇒ पिछोला झील-उदयपुर

⇒ विश्व कि प्रथम सौर ऊर्जा चालित संसद ⇒ मजालिस-ए-सुरा पाकिस्तान

अक्षय ऊर्जा निगम

⇒ उद्देश्य ⇒ राज्य में गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोत विकास एव परिवहन

⇒ स्थापना ⇒ 9-AUG- 2002 (जयपुर)

इसकी स्थापना दो विभागों को जोड़कर की गई

(1) REDA ⇒ राजस्थान एनर्जी डवलपमेंट ऐजेन्सी- 1985-जयपुर

(2) RSPCL ⇒ राजस्थान स्टेट पावर कार्पोरेशन लिमिटेड-1995 (जयपुर)

नहर सौलर संयत्र = गुजरात कि नर्मदा नहर कि तरज पर राज0 मे इन्दिरा गांधी नहर की NDR वितरिका (नौरंग देसर वितिरिका) पर मैनावाली गांव हनुमानगढ़ में नहर पर सोलर सयंत्र स्थापित किया गया-

= इस हेतु अनुबन्ध, दो कम्पनियों से हुआ = 26 अप्रैल 2016

1. अक्षय ऊर्जा निगम
2. मैसर्स पावर

राजस्थान की प्रमुख भाषा एवं बोलियां

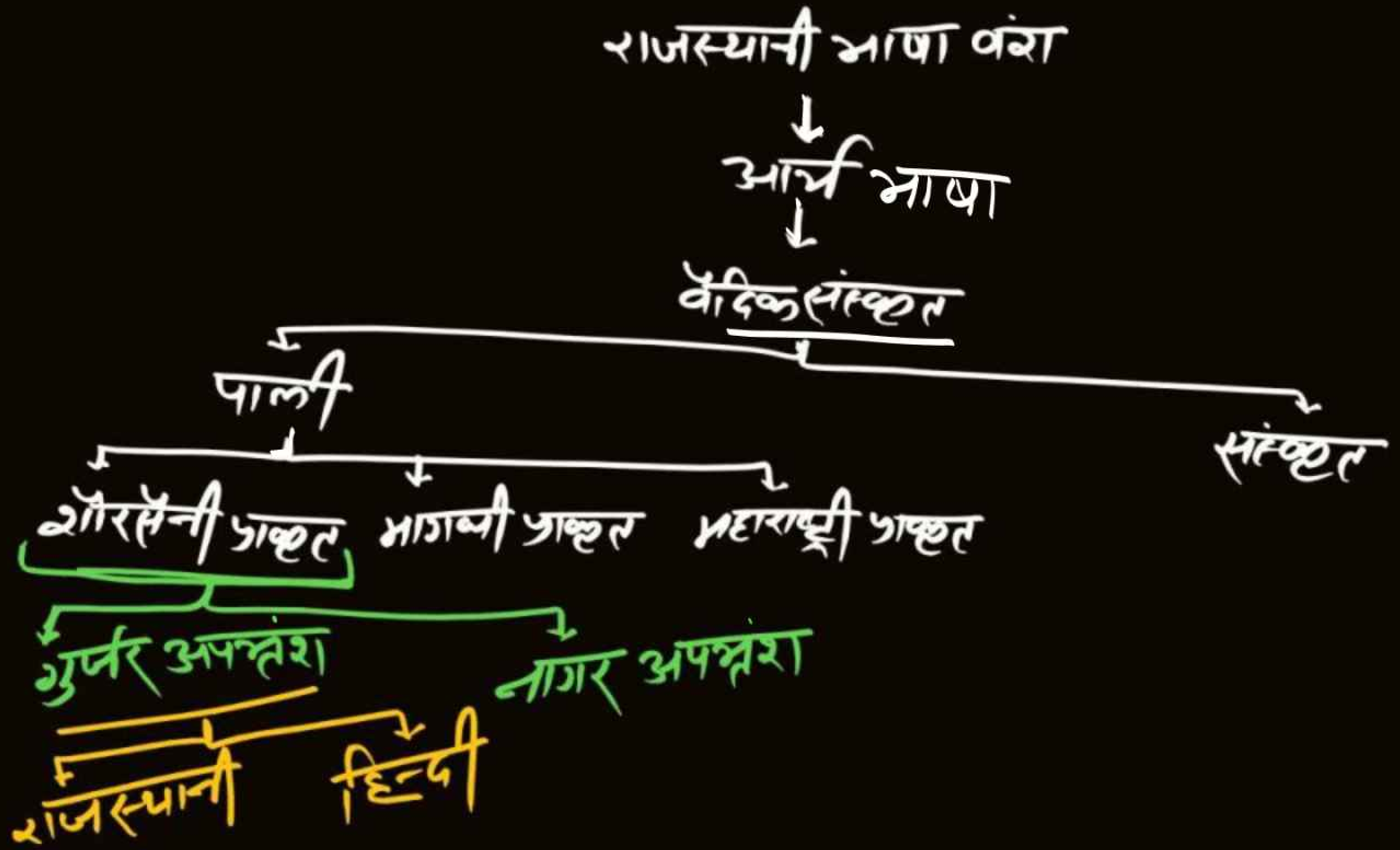

गुर्जर अपभ्रंश → 11वीं 13वीं शताब्दी
प्राचीन राजस्थानी - 13वीं - 16वीं "
मध्य राजस्थानी - 16वीं - 18वीं "
आधुनिक राजस्थानी → 18 से अब तक - - - - - -
→ राजस्थानी एक गैर संवैधानिक भाषा है।
नोट - संवैधानिक भाषा - हिन्दी

→ राजस्थानी भाषा का उद्भव → शौरसेनी प्राकृत से हुआ (L.P टेस्सीटोरी)

→ मारवाड़ी / मरु भाषा के लिए सर्वप्रथम राजस्थानी भाषा शब्द का प्रयोग जॉर्ज अब्राहिम ग्रियर्सन - 1912 मे अपनी पुस्तक - "लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इण्डिया मे किया।"

विश्व हिन्दी दिवस → 10 जनवरी

राष्ट्रीय हिन्दी दिवस → 14 सितम्बर

राजस्थानी भाषा दिवस - 21 फरवरी

राजस्थानी भाषा की लिपि → वाणिकावटी / महाजनी / मुड़िया / कामदारी है

राजस्थान की बोलियों को मुख्यत दो भागो मे विभाजित किया जाता है।

- पश्चिमी राजस्थान
  - ↓ प्रधान बोली
  - ↓ मारवाड़ी
- पूर्वी राजस्थान
  - ↓ प्रधान बोली
  - ↓ ढूंढाड़ी

राजस्थानी की मुख्यत 73 उप बोलियां है

मारवाड़ी बोली :→

↳ साहित्यिक मारवाड़ी को डिंगल कहते हैं।

मारवाड़ी का उद्योतन सूरी द्वारा रचित ग्रंथ कुवलयमाला में प्राचीन नाम मरुभाषा / मरवाणी मिलता है।

→ कुवलयमाला में 18 देशी भाषाओं का उल्लेख किया गया।

→ यह पश्चिमी राजस्थान की प्रधान बोली है।

→ कुशललाभ के ग्रंथ पिंगल शिरोमणी व अबुल फजल के ग्रंथ आईन-ए-अकबरी में भी मारवाड़ी भाषा का उल्लेख किया गया।

यह मुख्यत → बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर - जालौर, पाली नागौर झुंझुनू-सीकर जिलों में बोली जाती है।

→ मारवाड़ी सर्वाधिक क्षेत्रफल पर बोली जाती है।

नोट → विशुद्ध मारवाड़ी जोधपुर में बोली जाती है।

जैन साहित्य व मीरां के अधिकांश ग्रंथ मारवाड़ी भाषा में लिखे गये हैं।

मारवाड़ी की उप बोली

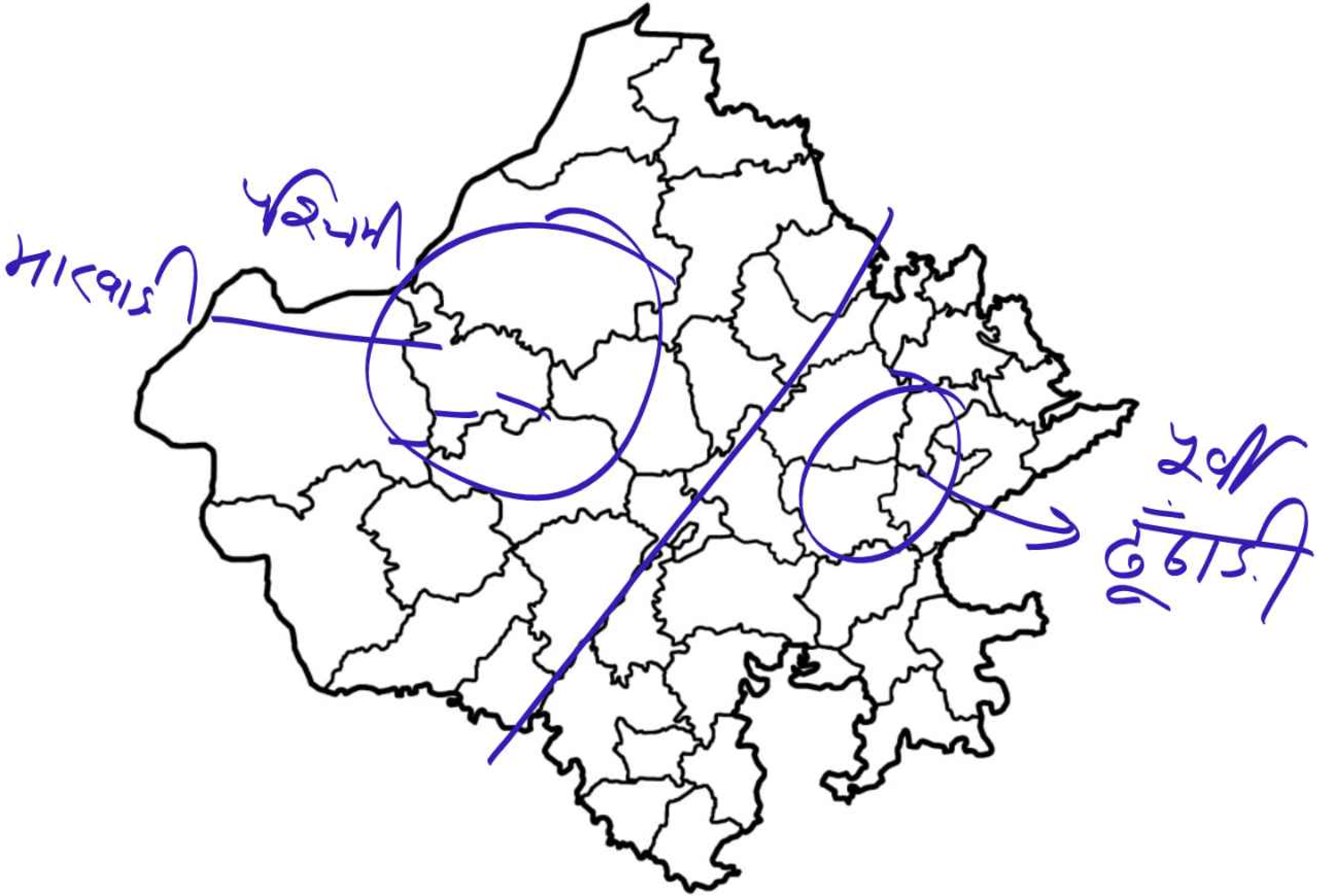
पश्चिमी
मारवाड़ी
पूर्वी
ढूंढाड़ी

Trick

ढली बीना से भेष कै गोबर मे थाप दे

- ढली (बीकानेर-जैसलमेर-जोधपुर)
- बीकानेरी - बीकानेर
- नागौरी - नागौर
- शेखावाटी - चूरू, सीकर, झुंझुनू
- मेवाड़ी - उदयपुर, चित्तौड़, राजसमंद-भील
- खेराड़ी → जहाजपुर (भीलवाड़ा) टोंक
- गौड़वाड़ी → बाड़मेर-जालौर
- बागड़ी - डूँगरपुर, बाँसवाड़ा
- ढाराड़ी → मध्य में
- थली →
- देवड़ावाटी - सिरोही

② मेवाड़ी → यह मेवाड़ मे बोली जाती है।

मेवाड़ी बोली के साक्ष्य जगत अम्बिका माता मन्दिर उदयपुर मे उत्कीर्ण शिलालेख मे मिला है।

कुंभा की कीर्ति स्तम्भ प्रशस्ति मे मेवाड़ी भाषा का प्रयोग किया गया है।

→ यह मुख्यत → उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा मे बोली जाती है।

→ यह पश्चिमी राजस्थान की दूसरी प्रधान बोली है।

→ वागड़ी बोली → उपनाम - भीली भाषा
↳ डूंगरपुर बांसवाड़ा

② ढूंढाड़ी बोली : → उपनाम → जयपुर बोली - झाड़शाही बोली
↳ पूर्वी राजस्थान की प्रधान बोली
↳ क्षेत्र → जयपुर, टोंक, दौसा
↳ साहित्यिक ढूंढाड़ी को → पिंगल कहते हैं

सन्त दादू दयाल की रचना ढूंढाड़ी भाषा मे है।

ढूंढाड़ी की उप बोली

- चौरासी – (दक्षिणी जयपुर व पश्चिमी टोंक) मे बोली जाती है।
- नागर चोल – पश्चिमी सवाई माधोपुर व दक्षिणी टोंक) ''''
- काठेड़ी – दक्षिणी जयपुर
- तोरावाटी – नीम का थाना व सीकर
- राजावाटी – जयपुर के आसपास
- मेवाती – अलवर - भरतपुर
- अहीरवाटी – कोटपुतली बहरोड़, अलवर, किशनगढ़, उत्तरी जयपुर
- हाड़ौती – कोटा बूंदी बारां झालावाड़
- किशनगढी →

मेवाती बोली :->

अलवर - भरतपुर - धौलपुर

संत लालदास, चरणदास, दयाबाई, सहजोबाई के ग्रंथ मेवाती भाषा में लिखे हैं।

मेवाती भाषा पश्चिमी हिन्दी व राजस्थानी के मध्य सेतू का कार्य करती है

→ **मालवी बोली** :→ उपबोली - नीमाड़ी
↳ दक्षिणी राजस्थान मे बोली जाती है।

→ **रागड़ी** → मारवाड़ी व मालवी का मिश्रण

→ **खैराड़ी** → जहाजपुर (भीलवाड़ा), टोंक
↳ मेवाड़ी, ढूंढाड़ी, हाड़ौती का मिश्रण